TheCoverage
INDIA

भूकंप से मंगलवार को दो-बार क्यों० हिला था लखनऊ?

By admin - November 11, 2022

Lucknow: उत्तnर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में मंगलवार को शाम 8:52 मिनट तथा प्रातः 1:57 मिनट पर भूकम्प के झटको ने राजधानी निवासियो को हिलाकर रख दिया. लोग विवश हो गये सोचने के लिये कि इसका क्या कारण है | क्योकि चंद्रग्रहण आमावस्या को साय 5:30 से 6:30 पर समाप्त हुआ था, उसी के क्रम में यह भी घटना का होना किसी अनिष्ट का सूचक माना जा रहा है | नेपाल में तो 8- लोगो की मृत्यु तथा मकानो के गिरने से तबाही हो गई है |

वरिष्ठ पर्यावरणविद तथा स्कूल आफ मैंनेजमेंन्ट साइंसेज , लखनऊ के महा-निदेशक तकनीकी डॉ भरत राज सिंह ने बताया कि लखनऊ भी हिमालय की श्रंखला के नजदीक है |

हिमालय की पहाडियो में जलवायु-परिवर्तन के कारण अनेको घटनाये हो रही हैं उसी कडी में भूकम्प भी एक बड़ी घटना निरंतर होना स्वाभाविक है. इसके मुख्य कारण उन्होने अपनी गोलबल-वार्मिंग- 2012 तथा क्लाइमेट चेंज- 2013 की पुस्तको में, पूर्व में ही कर चुके हैं कि हिमालय ग्लैसियर , उत्तरी व दक्षिणी ध्रुव के ग्लैसियर के बाद विश्व का तीसरा बडा क्षेत्र है |

यह भी विगत 2015 के पश्चात से तीजे पिघल रहा है और जिसके कारण अभी तक वर्फ की चट्टाने जिनकी ऊंचाई औसतन 2500-3000 मीटर तक रही है. अब वह मात्र 1000 मीटर से तक कहीं-कहीं कम हो चुकी है. जिसके कारण तथा पहड़ियों के नीचे की प्लेटे भी अधिक दवाव बना रही हैं |

इसके कारण हिमालय की पहाडिया ऊपर उठ रही हैं जिससे भूकम्प की तीब्रता व आने की संख्या में हर वर्ष बढोत्तरी स्वाभाविक है. यहां तक की पहाड़ियों के पत्थ रों के आपस के जुड़ाव में ढीलापन आ रहा है जिससे थोडी सी तूफानी वारिस हो तोभी बडी-बडी चट्टाने टूट रही है तथा ग्लेसियर की चट्टानो के गिरने की निरंतरता बढती जा रही है |

---

https://thecoverage.in/why-was-lucknow-shaken-twice-on-tuesday-by-the-earthquake/